

3

राजेन्द्र / रामकली

2016/00179

23


न्यायालय उप खण्डाधिकारी सैपऊ

प्रकरण संख्या : 58 / 2016

बमुक0 राजेन्द्र बगैरा बनाम रामकली बगैरा

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा
212 आर टी एक्ट

14.12.2016 प्रार्थना पत्र बाद जांच कार्यालय से पेश हुआ। वकील सायलान उपस्थित। वकील सायलान को सुना। प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जावे। गैरसायलान को जरिये नोटिस तलब किया जावे। पत्रावली दिनांक 18.01.2017 को पेश हो।


उपखण्ड अधिकारी
सैपऊ

18-1-17 - पत्रावली पेश। अतिभाषण द्वारा कन्डोलेंस रिपोर्ट देने के कारण कार्यवाही नहीं हो सकी। पत्रावली पूर्वपत्र दिनांक 13-4-17 को पेश हो

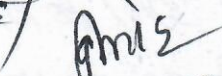
13/4/17) कलियुक्त प्रार्थना पत्र 3/10/16 का मुद्राव कार्य से परिलक्षित है। पत्रावली दिनांक 24/5/17 को पेश हो

12-6-17 आज यह पत्रावली राजस्व लोक अदालत। डेप्युटी कोर्ट ऑफ सैवा डेप्युटी मुख्यालय पर पेश हुई। प्रिवीदी। गैरसायलान सं. 1, 2, 5, 6 की ओर से श्री मधोशाशर्मा स्टुडेंट्स डेप्युटी। उन्होंने जवाब प्रार्थना पत्र पेश किया जो शामिल मिसिल किया। गैरसायलान सं. 2, 5, 6 स्वयंसेवा नेरसा उन्होंने प्रिवीदी किया कि वादीगण का विवादिता आरजी से कोई सम्बन्ध स्वीकार नहीं है, ना ही इनका रिहाई में काम है, ना ही विवादिता आरजी पर कुब्जा है। लोक अदालत की भाषा से मौखिक पर ही कुब्जे वाक्य पत्रावली द्वारा से

से जानकारी ली गई। उन्होंने विवादित आराजी परिवार के नाम होना तथा परिवार के सभी विवादित आराजी पर कब्जा होना बताया है। कुब्जे वाकत सरपंच ब्रह्मपुर से भी जानकारी ली गई। उन्होंने कुब्जे वाकत लिखित में रिपोर्ट की है कि बेदरिया पुत्र गिरकर, धापी, देवसुख पुत्र गिरकर आगी तक कुब्जे जानकारी है। इसके बाद उनकी औलाद की कुब्जे जानकारी नहीं है। बेदरिया पुत्र गिरकर के फेल होने पर उनके पुत्र रामसिंह, शिवचरण, बीरवल, जादौसिंह के बारे में जानकारी है वह बहरिया में निवास कर रहे हैं, अपना काम धन्धा कर रही कर रहे हैं।

उपरोक्त विवेचनानुसार स्पष्ट है कि विवादित आराजी परिवार के नाम रजिस्टर्ड है तथा कानून में कब्जा भी परिवार के सभी है। इस प्रकार प्रथम दृष्टया केस व सुविधा संतुलन सामल के पक्ष में न होकर और सामल के पक्ष में है शर्मा पत्र रखने वाले सामल स्वार्थी योग्य नहीं है।

आर: शर्मा पत्र सामलान विरुद्ध और सामलान स्वार्थी किया जाना है। पत्रवली केसल शुमार होकर ब्रह्मपुर की पत्रवली के साथ संलग्न रहे।


उपखण्ड अधिकारी
सैपऊ